Toppersnotes®
Unleash the topper in you

EXECUTIVE ASSISTANT

UPPCL

UTTAR PRADESH POWER CORPORATION LTD.

भाग – 4

सामान्य अध्ययन -1

SIERRA INNOVATIONS

UPPCL

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	भारत का भूगोल	
1.	भारत का विस्तार	1
2.	भारत के भौगोलिक भू–भाग	4
3.	भारत का अपवाह तंत्र	10
4.	जैव विविधता	16
5.	भारत की प्राकृतिक वनस्पति	24
6.	भारत की मिट्टी मृदा	27
7.	जलवायु	29
8.	कृषि	30
9.	भौतिक भूगोल	32
	विश्व का भूगोल	
1.	महाद्वीप	37
2.	उत्तरी अमेरिका	37
3.	दक्षिणी अमेरिका	43
4.	अफ्रीका	48
5.	यूरोप	53
6.	एशिया	58
7.	ऑस्ट्रेलिया	63
8.	अण्टार्कटिका	65
9.	विश्व की जलवायु	66
	राजव्यवस्था	
1.	भारतीय राजव्यवस्था की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	69
2.	भारतीय संविधान के स्त्रोत	76
3.	राष्ट्रपति की शक्तियाँ एवं कार्य	97
4.	लोकसभा	109
5.	न्यायपालिका	123
6.	संविधान संशोधन	141

भारत का भूगोल

जैव–विविधता
(Bio-Diversity)

जैव–विविधता
(Bio-Diversity)

- किसी क्षेत्र में मिलने वाली जीवन की विभिन्नता (Variation), उस क्षेत्र की 'जैव–विविधता' कहलाती है।
- किसी क्षेत्र की जैव–विविधता (Bio-Diversity) का अनुमान लगाते समय उस क्षेत्र में मिलने वाली प्रजातिय विविधता (Species), आनुवांशिक विविधता (Genetic) तथा पारिस्थितिकी विविधता को सम्मिलित किया जाता है
- जैव विविधता किसी क्षेत्र में जीवन के अस्तित्व के बने रहने की संभावनाओं को बढ़ा देती है। जैव विविधता की महत्ता को ध्यान में रखते हुए इसके संरक्षण के लिए भारत में मुख्य रूप से 3 प्रकार के सुरक्षित/आरक्षित क्षेत्र स्थापित किए गए हैं –
  - वन्य जीव अभ्यारण्य – 566
  - राष्ट्रीय उद्यान (पार्क) – 104
  - जैव आरक्षित क्षैत्र – 18

भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान
(National Park)

क्रमांक	राज्य का नाम	संरक्षित क्षेत्र का नाम	अधिसूचना का वर्ष	क्षेत्रफल (किमी^{2} में)
1.	आंध्र प्रदेश	(i) पपिकोंडा	2008	1012.8588
2.		(ii) राजीव गाँधी (श्रीरामेश्वरम)	2005	2.3952
3.		(iii) श्री वेंकटेश्वर	1989	353.62
4.	अरुणाचल प्रदेश	(iv) नागदफा राष्ट्रीय उद्यान	1986	483
5.		(v) मोलिंग राष्ट्रीय उद्यान	1983	1807.82
6.	असम	(i) डिब्रू–सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान	1999	340
7.		(ii) काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	1974	858.98
8.		(iii) मानस राष्ट्रीय उद्यान	1990	500
9.		(iv) नामेरी	1998	200
10.		(v) राजीव गाँधी (ओरंग)	1999	78.81

11.	बिहार	(i) वाल्मीकि	1989	335.65
12.	छत्तीसगढ	(i) गुरु घासीदास (संजय)	1981	1440.71
13.		(ii) इंद्रावती (कुटरू)	1982	1258.37
14.		(iii) कांगार घाटी	1982	200
15.	गोवा	(i) मोल्लेम	1992	107
16.	गुजरात	(ii) ब्लैकबक (वेलवदार)	1976	34.53
17.		(iii) गिर	1975	258.71
18.		(iv) समुद्री (कच्छ की खाड़ी)	1982	162.89
19.		(v) वासंदा	1979	23.99
20.	हरियाणा	(i) कालेसारी	2003	46.82
21.		(ii) सुल्तानपुर	1989	1.43
22.	हिमाचल प्रदेश	(i) ग्रेट हिमालयन	1984	754.4
23.		(ii) इन्द्रकिला	2010	94
24.		(iii) खीरगंगा	2010	705
25.		(iv) पिन वैली	1987	675
26.		(v) सिम्बलबारा	2010	27.88
27.	झारखंड	(i) बेतला	1986	226.33
28.	कर्नाटक	(i) अंशी राष्ट्रीय उद्यान	1987	417.34
29.		(ii) बांदीपुर	1974	872.24
30.		(iii) बन्नेरुघट्टा	1974	260.51
31.		(iv) कुद्रेमुख	1987	600.57
32.		(v) नागरहोल (राजीव गाँधी)	1988	643.39
33.	केरल	(i) अन्नामुडी शोला	2003	7.5
34.		(ii) एराविकुलम	1978	97
35.		(iii) मथिकेटन शोला	2003	12.82
36.		(iv) पंम्बाटुम शोला	2003	1.32
37.		(v) पेरियार	1982	350
38.		(vi) साइलेंट वैली	1984	89.52
39.	मध्य प्रदेश	(i) बांधवगढ़	1968	448.842
40.		(ii) फॉसिल	2011	0.897
41.		(iii) इन्द्रा प्रियदर्शनी पेंच	1983	0.27
42.		(iv) कान्हा	1975	292.857
43.		(vi) पन्ना	1955	941.793
44.		(viii) संजय	2018	748.761

45.		(ix) सतपुड़ा	1959	375.23
46.		(x) माधव	1981	542.66
47.		(xi) डायनासोर जीवाश्म	1981	464.643
48.		(xii) वन विहार	1981	528.729
49.		(xiii) कूनो	1979	4.452
50.	महाराष्ट्र	(i) चंदौली	2004	317.67
51.		(ii) गुगामल	1975	361.28
52.		(iii) नवेगांव	1975	133.88
53.		(iv) पेंच (जवाहरलाल नेहरू)	1975	257.26
54.		(v) संजय गाँधी (बोरावली)	1983	86.96
55.		(vi) तदोबा	1955	116.55
56.	मणिपुर	(i) कीबुल–लामजाओ	1977	40
57.		(ii) शिरोई	1982	100
58.	मेघालय	(i) बलफकरम	1986	220
59.		(ii) नोकरेक	1997	47.48
60.	मिजोरम	(i) मुर्लेन	1991	100
61.		(ii) फौंगपुई (नीला पर्वत)	1992	50
62.	नागालैंड	(i) इन्टाकी	1993	202.02
63.	ओडिशा	(i) भीतरकनिका	1988	145
64.		(ii) सिमलीपाल	1980	845.7
65.	राजस्थान	(i) डेजर्ट	1992	3162
66.		(ii) केवलादेव घाना	1981	28.73
67.		(ii) मुकुदरा हिल्स	2006	200.54
68.		(iii) रणथम्भौर	1980	282
69.		(iv) सरिस्का	1992	273.8
70.	सिक्किम	(i) कंचनजंगा	1977	1784
71.	तमिलनाडु	(i) गुइंडी	1976	2.7057
72.		(ii) समुद्री (मन्नार की खाड़ी)	1980	526.02
73.		(iii) इंदिरा गाँधी (अन्नामलाई)	1989	117.1
74.		(iv) मुदुमलै	1990	103.23
75.		(v) मुकुर्थी	1990	78.46
76.	तेलंगाना	(i) कासू ब्रह्मानंद रेड्डी	1994	1.425
77.		(ii) महावीर हरिण वनस्थली	1994	14.59

78.		(iii) मृगवनी	1994	3.6
79.	त्रिपुरा	(i) क्लाउडेड लेपर्ड	2007	5.08
80.		(ii) बिसन (राजबारी)	2007	31.63
81.	उत्तर प्रदेश	(i) दुधवा नेशनल पार्क	1977	490
82.	उत्तराखंड	(i) कार्बेट	1936	520.82
83.		(ii) गंगोत्री	1989	2390.02
84.		(iii) गोविंद	1990	472.08
85.		(iv) नंदा देवी	1982	624.6
86.		(v) राजाजी	1983	820
87.		(vi) फूलों की घाटी	1982	87.5
88.	पश्चिम बंगाल	(i) बक्सा	1992	117.1
89.		(ii) गोरुमारा	1992	79.45
90.		(iii) जलदापारा	2014	216.34
91.		(iv) न्योरा घाटी	1986	159.8917
92.		(v) सिंगालीला	1986	78.6
93.		(vi) सुन्दरवन	1984	1330.1
94.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	(i) कैम्पबॅल बे	1992	426.23
95.		(ii) गैलाथिया बे	1992	110
96.		(iii) महात्मा गाँधी मरीन (वंडूर)	1983	281.5
97.		(iv) माउंट हैरियट	1987	46.62
98.		(v) रानी झांसी मरीन	1996	320.06
99.		(vi) सैडल पीक	1987	32.54
100.	जम्मू और कश्मीर	(i) सिटी फॉरेस्ट (सलीम अली)	1992	9.07
101.		(ii) दाचीगाम	1981	141
102.		(iii) काजी नाग	2000	90.88
103.		(i) किश्तवाड़	1981	2191.5
104.	लद्दाख	(i) हेमिस	1981	3350

भारत के बायोस्फीयर रिजर्व

- वर्तमान में भारत में 18 जैव आरक्षित क्षेत्र स्थापित किये गए है–

बायोस्फीयर	राज्य	आवृत्त क्षेत्र	प्रमुख जीव
नीलगीरी बायोस्फीयर रिजर्व	तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल	वायनाड, नागरहोल, बांदीपुर और मुदूलभाई, नीलांबुर, साइलेंट वैली सिरुवानीपहाडियों के कुछ हिस्से	नील गीरी तहर और शेर– पूछ मैकाक
मन्नार की खाड़ी	तमिलनाडु	दक्षिण कन्याकुमारी व उत्तर प्रदेश रामेश्वरणम के हिस्से	डूगोग या समुद्री गाय
सुंदरवन	पश्चिम बंगाल	गंगा और ब्रहमपुत्र नदी के डेल्टा के कुछ हिस्से	रॉयल बंगाल टाइगर
नंदा नदी देवी नेशनल पार्क और बायोस्फीयर रिजर्व	उत्तराखंड	उत्तराखंड के चमोली पिथौडागढ और अल्मोड़ा जिले कुछ हिस्से	हिलालयी या हिम तेंदुआ
नोकरेक	मेघालय	पूर्व पश्चिम और दक्षिण गाारो पहाडी के जिले	लाल पांडा
पचमढी बार्योस्फीयर रिजर्व	मध्य प्रदेश	बेतुल, होषंगाबादऔर छिंदवाडा का कुछ हिस्से	बडी गिलहरी और उडने वाली गिलहरी
सिमलीपाल	उडीसा	मयूरभंज जिले के कुछ हिस्से	गौर, रॉयल बंगाल टाइगर और जंगली हाथी
अचानकमार – अमरकंटक	मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ	अनुपूर, डिडोरी और विलासपुर जिले के कुछ हिस्से	तेंदुए, गौर और चीतल 4 सींग वाले मृग सॉर्सक्रेन
ग्रेट निकोबार द्वीप बायोस्फीयर रिजर्व	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	अंडमान और निकोबार का दक्षिण द्वीप समूह	समुद्री मगरमच्छ

अगस्त्यामलाई बायोस्फीयर रिजर्व	तमिलनाडु, केरल	तिरूनेलवेली, कन्याकुमारी और पथानमथिट्टा जिले के हिस्से	नीलगिरी तहर और हाथी
मानस	असम	कोकराझार, बोंगाईगॉव, बारपेटा, नालाबारी, कामरूप और दारंग जिले के हिस्से	सुनहरा लंगूर और लाल पांडा
डिब्रू सैखेवा	असम	डिब्रूगढ और तिनसूकिया जिलो के हिस्से	सुनहरा लंगूर जंगली घोडे सफेद पंखो वाला देवहंस
दिहांगा – दिबांग	अरूणाचल प्रदेश	उपरी सियांग, पष्चिम सियांग और दिबांग घाटी के हिस्से	अनुपलब्ध लाल पांडा
कंचनजंघा	सिक्किम	उत्तर और पष्चिम सिक्किम जिलो के हिस्से	हिम तेंदुआ, लाल पांडा
कच्छ का रण	गुजरात	कच्छ,राजकोट, सुरेन्द्र नगर और पाटन जिलो के हिस्से	भारतीय जंगली गधा
कोल्ड डेजर्ट	हिमाचल प्रदेश	पिन वैली राश्टीय उघान और इसके आसपास चंद्रतल, सरचू और किब्बर का वन्यजीव अभयारण्य	हिम तेंदुआ
शेषचलम पहाडियाँ	आन्ध्र प्रदेश	पूर्वी घाट से शेषचलम की पर्वत श्रृंखला, चित्तूर और कडप्पा जिलो के हिस्से	अनुपलब्ध Slender Lokis
पन्ना	मध्यप्रदेश	पन्ना और छतरपुर जिले के हिस्से	चीता, चीतल, चिंकारा, सांभर और सुस्त भालू

यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज सूची में शामिलः–

(i). नीलगिरी जैव आरक्षित क्षेत्र
(ii). कोल्ड डेजर्ट जैव आरक्षित क्षेत्र
(iii). नन्दा देवी जैव आरक्षित क्षेत्र
(iv). सुन्दरवन जैव आरक्षित क्षेत्र

जैव आरक्षित क्षेत्रों का वर्ल्ड नेटवर्क

- यूनेस्को के मानव तथा जैव मंडल कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न देशों में स्थित जैव आरक्षित क्षेत्रों को एक सूचना तंत्र के माध्यम से जोड़ा गया है ।
- इस तंत्र की सहायता से जैव आरक्षित क्षेत्रों में होने वाली षोध तथा विकास कार्यो से जुड़ी सूचनाओं का आदान–प्रदान किया जाता है ।
- वर्तमान में इस तंत्र में कुल 612 जैव आरक्षित षामिल है, जिनमें से 11 क्षेत्र भारत में स्थित है ।

जो निम्न है–

(i). ग्रेट निकोबार जैव आरक्षित क्षेत्र
(ii). मन्नार की खाड़ी जैव आरक्षित क्षेत्र
(iii). नीलगिरी जैव आरक्षित क्षेत्र
(iv). नंदा देवी जैव आरक्षित क्षेत्र
(v). पंचमढ़ी जैव आरक्षित क्षेत्र
(vi). अचानकमार अमरकंटक जैव आरक्षित क्षेत्र
(vii). सिमलोपाल जैव आरक्षित क्षेत्र
(viii). सुन्दरवन जैव आरक्षित क्षेत्र
(ix). नोकरेक जैव आरक्षित क्षेत्र
(x). अगस्त्य मलाई
(xi). कंचनजंघा

Trick. नंदा व सिमलीपाल ने नीले सुन्दर ग्रेट निकोबार व मन्नार की खाड़ी को पांच बार देखा फिर अचानक अमरकंटक में नोक रखकर चले गये ।

भारत के बाघ रिजर्व अभ्यारण

क्र. सं	नाम	कुल क्षेत्र	राज्य
1	नागार्जुन श्रीसेलम	3568.09	अंध्र प्रदेश
2	नामदफा	1985.245	अरूणाचल प्रदेश
3	कमलंग टाइगर्स रिजर्व	783.00	अरूणाचल प्रदेश
4	पक्के	1198.45	अरूणाचल प्रदेश
5	मानस	2837	असम
6	नामेरी	344	असम
7	ओरांग टाइगर्स रिजर्व	78.81	असम
8	काजीरंगा	1173.58	असम
9	बाल्मीकी	899.38	बिहार
10	उदंती–सीता नदी	1842.54	छत्तीसगढ
11	अचानकमार	914.017	छत्तीसगढ
12	इंद्रावती	2799.07	छत्तीसगढ
13	पलामू	1129.93	झारखंड
14	बांदीपुर	1456.3	कर्नाटक
15	भद्रा	1064.29	कर्नाटक

16	दांदेली–आंसी	1097.514	कर्नाटक
17	नागरहोल	1205.76	कर्नाटक
18	विलीगिरी रंगनाथ टेम्पल	574.82	कर्नाटक
19	पेरियार	925	केरल
20	पारम्बिकुलम	643.662	केरल
21	कान्हा	2051.791	मध्यप्रदेश
22	पेंच	1179.63225	मध्यप्रदेश
23	बाधवगढ	1598.1	मध्यप्रदेश
24	पन्ना	1578.55	मध्यप्रदेश
25	सतपुरा	2133.30797	मध्यप्रदेश
26	संजय–दुबरी	1674.502	मध्यप्रदेश
27	मेलघाट	2768.52	महाराष्ट्र
28	तदोबा–अंधेरी	1727.5911	महाराश्ट्र
29	पेंच	741.22	महाराश्ट्र
30	सहयाद्री	1165.57	महाराष्ट्र
31	नावेगांव–नागजीरा	653.674	महाराष्ट्र
32	बोर	138.12	महाराष्ट्र
33	दम्पा	988	मिजोरम
34	सिमिलीपाल	2750	ओडिशा
35	सतकोशिया	963.87	ओडिशा
36	रणथंभौर	1411.291	राजस्थान
37	सरिस्का	1213.342	राजस्थान
38	मुंकुदरा – हिल्स	759.99	राजस्थान
39	रामगढ विषधारी	1052.12	राजस्थान
40	कालकड–मुदथुरेई	1601.542	तमिलनाडु
41	अन्नामलाई	1479.87	तमिलनाडु
42	मुदुमलाई	688.59	तमिलनाडु
43	सत्यामंगलम	1408.4	तमिलनाडु
44	कवाल	2019.12	तेलंगाना
45	अमराबाद	2611.39	तेलंगाना
46	दुधवा	2201.7748	उत्तरप्रदेश
47	पीलीभीत	730.2498	उत्तरप्रदेश
48	अमानगढ कॉर्बेट	80.6 1288.31	उत्तरप्रदेष उत्तराखंड
49	राजाजी टी.आर	1075.17	उत्तराखंड
50	सुंदरवन	2584.89	पष्चिम बंगाल
51	बुक्सा	757.9038	पश्चिम बंगाल
52	जिम कार्बेट	1318.54	उत्तराखण्ड

विश्व का भूगोल

विश्व का भूगोल

महाद्वीप

क्षेत्रफल के आधार पर :-

1. एशिया
2. अफ्रीका
3. उत्तरी अमेरिका
4. दक्षिणी अमेरिका
5. अन्टार्कटिका
6. यूरोप
7. ऑस्ट्रेलिया

जनसंख्या के आधार पर :-

1. एशिया
2. अफ्रीका
3. यूरोप
4. उत्तरी अमेरिका
5. दक्षिणी अमेरिका
6. ऑस्ट्रेलिया
7. अन्टार्कटिका

1. उत्तरी अमेरिका (North America)

- क्षेत्रफल की दृष्टि से यह विश्व में तीसरे स्थान पर है ।
- जनसंख्या की दृष्टि से यह विश्व में चौथे स्थान पर है ।
- उत्तरी अमेरिका के प्रमुख भाग निम्नलिखित है-
  1. ग्रीनलैण्ड द्वीप
  2. कनाडा
  3. USA
  4. मैक्सिको
  5. मध्यवर्ती अमेरिका
  6. वेस्ट इंडीज

मध्यवर्ती अमेरिका :-

1. बेलीज
2. ग्वाटेमाला
3. हॉनडूरास
4. एल सल्वाडोर
5. निकारागुआ
6. कॉस्टा रिका
7. पनामा

उत्तरी अमेरिका के पर्वत :-

पश्चिमी कॉर्डिलेरा-

1. अलास्का श्रेणी
2. ब्रूक्स श्रेंणी
3. मैकेन्जी श्रेणी
4. रॉकी
5. तटीय श्रेणी
6. कैस्केड श्रेणी
7. सिएरा नेवादा

8. सिएरा माद्रे ऑक्सिडेंटल
9. सिएरा माद्रे ओरियंटल

- यह उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी में स्थित पर्वत श्रेणियों का समूह है
- पश्चिमी कॉर्डिलेरा का निर्माण उत्तरी अमेरिकी तथा प्रशान्त महासागरीय प्लेट के अभिसरण से हुआ है
- यहाँ बहुत सी प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ स्थित है- e.g. अलास्का श्रेणी, रॉकी पर्वत, सिएरा नेवादा etc
- इन पर्वत श्रेणियों से उत्तरी अमेरिका की प्रमुख नदियों का उद्गम होता है ।
- यह श्रेणियाँ वनस्पति, जैव विविधता तथा पर्यटन एवं खनिज की दृष्टि से महत्वपूर्ण है ।
- यहां स्थित श्रेणियों के बीच अन्तः पर्वतीय पठार स्थित है ।
- इस क्षेत्र में कई ज्वालामुखी चोटियाँ पाई जाती है- e.g. हुड, रेनियर, शास्ता etc

उत्तरी अमेरिका के भौगोलिक विभाग

1. Canadian Shield Region
2. Applachian Mountain Region (अप्लेशियन पर्वतीय प्रदेश)
3. पश्चिमी कोर्डिलरा प्रदेश
4. मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश (Central Plain Region)

उत्तरी अमेरिका की प्रमुख पर्वत श्रेणियां

1. अलास्का श्रेणी :-

- U.S.A. के अलास्का राज्य में स्थित है ।
- इस श्रेणी में 'मैकिन्ले चोटी' स्थित है, जो कि उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊँची चोटी है ।
- इस श्रेणी के दक्षिणी भाग में 'लोगन चोटी' स्थित है जो कि कनाडा की सबसे ऊँची चोटी है तथा यह उत्तरी अमेरिका की दूसरी सबसे ऊंची चोटी है ।

2. Rocky Mountains :-

- उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी कोर्डिलेरा प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण पर्वत श्रृंखला ।
- यह एक 'नवीन वलित पर्वत' (Young Fold Mountain) है, जिसका निर्माण उत्तरी अमेरिकी प्लेट तथा प्रशान्त महासागरीय (Pacific Plate) प्लेट के अभिसरण से हुआ है ।
- विश्व का दूसरा सबसे लम्बा पर्वत तंत्र है । (प्रथम एंडीज पर्वत S.A.)
- रॉकी पर्वतों के दक्षिण भाग में स्थित 'एल्बर्ट चोटी' इसकी सबसे ऊँची चोटी है । (4399 मी.)
- रॉकी पर्वत 'ताँबे' के भण्डारों के लिए प्रसिद्ध है ।
- रॉकी पर्वतों से U.S.A. की प्रमुख नदियां जैसे कोलम्बिया कोलोरडो, रियोग्रेंड आदि का उद्गम होता है ।
- इन पर्वतों तथा उत्तरी अमेरिका के पश्चिम क्षेत्र में मिलने वाली अन्य पर्वत श्रृंखलाओं के मध्य बहुत से 'अन्तः पर्वतीय पठार' स्थित है ।

Example :-

1. कोलम्बिया पठार (Columbia Plateau)
2. Colorado Plateau
3. Great Basin

Sierra Nevado :- Block Mountain (खण्ड पर्वत)

- U.S.A के कैलिफोर्निया राज्य में स्थित खण्ड पर्वत यह विश्व का सबसे बडा 'खण्ड पर्वत' है ।
- Mt. Whitney इस पर्वत की सबसे ऊँची चोटी है (4418 मी)
- इस पर्वत तथा रॉकी पर्वतों के मध्य Great Basin स्थित है, जो कि एक अन्तः पर्वतीय पठार है ।

उत्तरी अमेरिका के प्रमुख पठार

1. Columbia Plateau :-

- उत्तरी अमेरिका के पश्चिम भाग में स्थित 'अन्तः पर्वतीय पठार' ।
- यह तटीय श्रेणी तथा रॉकी पर्वतों के मध्य स्थित है
- यह एक 'ज्वालामुखी पठार' है ।
- इसकी सतह पर लावा की परत मिलती है ।
- यह पठार काली मिट्टी से ढका है तथा कृषि के लिए अनुकूल है ।
- यह पठार शीत ऋतु के दौरान बर्फ से ढक जाता है, इसलिए यहां वर्ष में केवल एक फसल प्राप्त की जाती है । यहां पर "Suitcase Farming" प्रचलित है ।
- इस पठार पर कोलम्बिया नदी बहती है ।

2. Great Basin :-

- पश्चिमी U.S.A में स्थित 'अन्तः पर्वतीय पठार' ।
- उत्तरी अमेरिका का सबसे बडा अन्त पर्वतीय पठार ।
- यह पठार 'सियरा निवेडा' व 'रॉकी पर्वतों' के मध्य स्थित है ।
- वृष्टि छाया क्षेत्र (Rain Shadow Region) में स्थित होने के कारण यह अत्यधिक गर्म एवं शुष्क क्षेत्र है ।
- इस पठार पर बहुत सी लवणीय झीले पाई जाती है । (Great Salt Lake)
- इस पठार पर अन्तः स्थलीय प्रवाह तंत्र का निर्माण

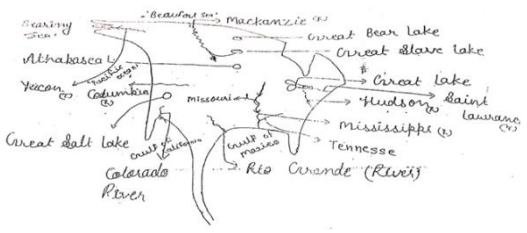

होता है । (Inland Drainage Drift system) इस पठारी क्षेत्र में मृत घाटी (Death Valley) स्थित है ।

- जिसका निम्नतम बिन्दु समुद्री सतह से नीचे 86 मी. की गहराई तक स्थित है, तथा यह उत्तरी अमेरिका का सबसे निम्नतम बिन्दु है ।

- इस घाटी में अत्यधिक उच्च तापमान Record किये जाते है तथा यह पृथ्वी पर सबसे गर्म स्थानों में से एक है ।

3. Colorado Plateau :-

- उत्तरी अमेरिका के प. भाग में स्थित 'अन्तः पर्वतीय पठार' ।
- इस पठार का निर्माण चूना–पत्थर से हुआ है ।
- इस पठारी क्षेत्र में गर्म एवं शुष्क परिस्थितियाँ पाई जाती है ।
- इस पठार पर से 'कोलोरेडा नदी' बहती है जो कि यहाँ की चूना पत्थर चट्टानों का अपरदन कर गहरी घाटियों का निर्माण करती है ।
- Grand Canyon, Black canyon इसी पठारी क्षेत्र में स्थित है ।
- Grand Canyon विश्व की सबसे गहरी घाटी है
- यहाँ पर मिलने वाली गर्म एवं शुष्क परिस्थितियों के कारण Gully (नलिका) अपरदन बडी मात्रा में होता है, जिसके कारण इस पठार पर बीहडो का निर्माण हुआ है ।

उत्तरी अमेरिका का अपवाह तंत्र

1. Yucon River (युकोन नदी):–

- U.S.A. के अलास्का राज्य की प्रमुख नदी ।
- इस नदी का उद्गम मैकेन्ले पर्वतों से होता है, तथा यह नदी Bearing सागर में जाकर गिरती है
- इस नदी के बेसिन में सोने के Placer Deposits (प्लेसर अक्षेप) पाये जाते है ।
- नदियों द्वारा जमा किये गये अवसाद

2. Mackanzie River (मैकेन्जी नदी) :–

- कनाडा की सबसे लम्बी नदी ।
- इस नदी का उद्गम Great Slave lake (झील) से होता है, तथा यह ब्युफोर्ट सागर में जाकर गिरती है ।
- यह नदी एक डेल्टा का निर्माण करती है, तथा इस नदी के डेल्टा क्षेत्र में पेट्रोलियम के भण्डार मिलते है ।

3. कोलम्बिया नदी (Columbia River) :–

- U.S.A के वाशिंगटन राज्य की प्रमुख नदी ।
- इस नदी का उद्गम रॉकी पर्वतों से होता है तथा यह प्रशान्त महासागर में जाकर गिरती है ।
- प्रशान्त महासागर में गिरने वाली U.S.A की सबसे लम्बी नदी है ।
- Snake नदी इसकी प्रमुख सहायक नदी है ।
- विख्यात 'ग्रेंड कुली बांध' (Grand coulie Dam) :– इस नदी पर स्थित है, तथा यह U.S.A की सबसे बडी जल विद्युत परियोजना है ।
- यह नदी 'कोलम्बिया पठार' के ऊपर से बहती है ।

4. Colorado River (कोलोरेडो नदी) :–

- U.S.A के पश्चिमी मरूस्थलीय प्रदेश की प्रमुख नदी ।
- इस नदी का उद्गम रॉकी पर्वतो से होता है तथा U.S.A व Maxico से बहते हुए यह नदी 'कैलिफोर्निया की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- यह नदी के Colorado Plateau ऊपर से बहती है तथा यहां की चूना पत्थर की चट्टानों से अपरदन करते हुए Grand Canyon जैसी गहरी घाटियां का निर्माण करती है ।
- यह नदी इस क्षेत्र में बीहडों के निर्माण के लिए भी कुख्यात है ।
- इस नदी पर विख्यात Hoover Dam (हूवर बांध) स्थित है ।
- Hoover Dam से बनने वाली कृत्रिम Lake, Mead झील कहलती है ।

5. Rio Grande :-

- इस नदी का उद्गम रॉकी पर्वतों से होता है तथा यह 'मैक्सिकों की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- यह नदी U.S.A व मैक्सिकों के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है ।
- Pecos (पिकोस) इसकी प्रमुख सहायक नदी है ।
- मिसीसिपी (Mississippi) उत्तरी अमेरिका व U.S.A की सबसे लम्बी नदी तथा विश्व की चौथी सबसे लम्बी नदी है ।
- यह नदी पूर्ण रूप से U.S.A में बहती है ।
- इस नदी का उद्गम U.S.A के मिनेसोय राज्य में Itasca (इटस्का) झील से होता है तथा यह नदी दक्षिणी दिशा में बहते हुए मैक्सिकों की खाडी में जाकर गिरती है ।
- "Missouri" इसकी सबसे प्रमुख सहायक नदी है जिसका उद्गम रॉकी पर्वतों से होता है ।

- "Tennesse" (टेनिसी) इसकी एक अन्य प्रमुख सहायक नदी है, तथा 'टेनिसी घाटी परियोजना' (Tennesse Valley Projeet) पर भारत की 'दामोदर घाटी परियोजना' आधारित है ।

- मिसीसिपी तथा इसकी सहायक नदियां मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश के दक्षिणी भाग का निर्माण करती है तथा यह क्षेत्र कृषि की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है ।
- यह नदी एक 'पक्षी के पंजे' के आकार के डेल्टा (Bird Foot Delta) का निर्माण करती है, तथा इसका Delta क्षेत्र कपास, चावल व तम्बाकू की कृषि के लिए उपयुक्त है ।
- यूरोप की युराल नदी भी Bird Foot Delta बनाती है ।

6. Hudson (हडसन) River :-

- इस नदी का उद्गम न्यूयॉर्क राज्य में Hendrson (हन्ड्रसन) झील से होता है, तथा यह नदी पूर्व दिशा की ओर बहते हुए अटलांटिक महासागर से जाकर गिरती है ।
- U.S.A का 'न्यूयॉर्क शहर' इसी नदी के किनारे बसा हुआ है ।
- U.S.A में न्यूयॉर्क राज्य भी है, तथा न्यूयॉर्क नामक सिटी भी है । न्यूयॉर्क सिटी, न्यूयॉर्क राज्य की राजधानी है ।
- इस नदी को "Erie Canal" (एरी नहर) के माध्यम से एरी झील से जोडा गया है तथा यह नदी महान झीलों (Great lakes) को अटलांटिक महासागर से जोडती है, तथा इसका उपयोग अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए किया जाता है ।
- यह विश्व की सर्वाधिक प्रदूषित नदियों में से एक है ।

7. Saint lawrance (सेन्ट लोरेन्स) :-

- इस नदी का उद्गम 'ओंटेरियो झील' (Ontario lake) से होता है, तथा यह 'सेंट लोरेन्स खाडी' में जाकर गिरती है ।
- यह नदी U.S.A व कनाडा के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है।
- फिर महान् झीलों के साथ मिलकर यह नदी उत्तर अमेरिका से सबसे बडे व व्यस्ततम अन्तः स्थलीय नौकायन तंत्र का निर्माण करती है ।
- यह नदी विश्व के सबसे बडे नदमुख (Estuary) एस्च्यूरी का निर्माण करती है, तथा यह क्षेत्र मत्स्यन उद्योग (Fishing Industry) के लिए विख्यात है ।

उत्तरी अमेरिका की प्रमुख झीलें

1. Great Bear Lake :-

- उत्तरी कनाडा में स्थित मीठे पानी की झील ।
- इस झील का निर्माण हिमनदों के पिघलने से हुआ है ।
- पूर्ण रूप से कनाडा में स्थित सबसे बडी झील ।
- इस झील के किनारे Port Raolium स्थित है, जो कि Radium, यूरेनियम तथा सोने के भण्डारों के लिए विख्यात है ।

2. Great Slave lake:-

- उ. कनाडा में स्थित मीठे पानी की झील ।
- इस झील का निर्माण हिमनदों के पिघलने से हुआ है ।
- यह उ. अमेरिका की सबसे गहरी झील है ।
- इस झील से मैकेन्जी नदी का उद्गम होता है ।

3. Athabasca Lake (अथाबास्का झील):-

- उ. कनाडा में स्थित पीठे पानी की झील ।
- इस झील का निर्माण हिमनदों के पिघलने से हुआ है ।
- इस झील के किनारे 'यूरेनियम सिटी' स्थित है जहां यूरेनियम तथा सोने के भण्डार पाये जाते है ।
- इस Lake के क्षेत्र में पेट्रोलियम के भण्डार भी पाये जाते है ।

4. Great Salt lake :-

- U.S.A के यूटा (Utah) राज्य में स्थित झील ।
- यह झील Great Basin Plateau पर स्थित है तथा यहाँ मिलने वाली गर्म एवं शुष्क परिस्थितियों के कारण यह एक लवणीय झील है अर्थात खारे पानी की झील है ।
- उत्तर अमेरिका की सबसे बडी खारे पानी की झील है ।
- विश्व की सबसे बडी झील – कैस्पियन झील (विश्व की सबसे बडी खारे पानी की झील)
- यह झील एक अन्तः स्थलीय अपवाह तंत्र का निर्माण करती है । Great Salt lake

5. Great lakes (महान झीले):-

U.S.A व कनाडा की सीमा पर स्थित 5 झीलो का समूह ।
5 झील :-

(1) Superior
(2) Michigan (मिशिगन)
(3) Huron (ह्युरोन)
(4) Erie (एरी)
(5) Ontario

- Superior झील विश्व सबसे बडी मीठे पानी की झील है ।
- मिशिगन झील पूर्ण रूप से U.S.A मे स्थित है, बाकी चारो U.S.A व कनाडा के Border पर स्थित है ।
- ये सभी झीले मिलकर विश्व के सबसे बडे मीठे जल के सतही स्त्रोत का निर्माण करती है ।
- ये झीले आपस में एक दूसरे से जुडी हुई है, तथा इनका उपयोग अन्तः स्थलीय नौकायन के लिए भी होता है ।
- एरी तथा ओन्टेरियो झील के मध्य विश्व विख्यात ''नियाग्रा जल प्रपात'' स्थित है
- इन झीलों के किनारे U.S.A तथा कनाडा के प्रमुख औद्योगिक शहर बसे हुऐ है ।
- मिशीगन झील के किनारे औद्योगिक शहर :- (U.S.A.)
  (1) Gary
  (2) Chicago (शिकागो)
  (3) Milwaukee
- एरी झील के किनारे :-
  (1) Deroit (U.S.A)
  (2) London } Canada
  (3) Hamilton }
- Ontario Lake के किनारे :- Toranto (Canada)
- Superior lake के नजदीक "Mesabe Range" (मेसाबी श्रेणी) स्थित है, जहां लौह अयस्क के भण्डार मिलते है ।
- यहां से मिलने वाले लौह अयस्क का उपयोग महान झील क्षेत्र में स्थित 'ऑटोमोबाइल उद्योग' में किया जाता है ।

Praries :-

- उत्तर अमेरिका में स्थित शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान ।
- ये घास के मैदान कनाडा तथा U.S.A मे स्थित है तथा मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश का भाग है ।
- इन घास के मैदानों में Chermozem (चरमोंजम) Soil (मिट्टी) मिलती है, जिसमें ह्युमस की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण यह मिट्टी काले रंग की नजर आती है ।
- इन क्षेत्रों में छोटी परन्तु पौष्टिक घास होती है । जो कि बहुत से वन्य जीवप्रजातियों के विकास के लिए सहायक है ।
- इन घास के मैदानों का उपयोग मुख्य रूप से गेहूं की कृषि के लिए किया जाता है तथा यह Praries क्षेत्र U.S.A व Canada को विश्व के सबसे बडे गेहूं निर्यातक देश बनाता है ।
- इन घास के मैदानों का उपयोग पशुपालन के लिए भी किया जाता है ।

Valley of ten Thousand Smoke :-

- दस हजार धुंआरों की घाटी – U.S.A के अलास्का राज्य में स्थित Kitmai (किटमाई) पार्क में स्थित घाटी ।

इस घाटी क्षेत्र में वर्ष 1912 में Novarupta (नोवारप्ता) नामक ज्वालामुखी उद्भव हुआ था, जिसके पश्चात इस क्षेत्र में हजारों धुंआरों का निर्माण हुआ जिनमें निरन्तर जलवाष्प तथा ज्वालामुखीय गैसों का उत्सर्जन होता रहता है ।

सिलिकन घाटी (Silicom Valley) :-

- U.S.A के कैलिफोर्निया राज्य में स्थित घाटी क्षेत्र, जो कि विश्व स्तर पर 'सूचना प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रोनिक्स उद्योग' का केन्द्र है । यही क्षेत्र सिलिकन घाटी के नाम से जाना जाता है ।
- 'सेन फ्रांसिस्को' शहर सिलिकन घाटी में ही स्थित है ।
- Bight ⌒ जिस खाडी (पानी) के लगभग एक साइड तट हो
  Bay ⌒ एक साइड से ज्यादा दूरी में तट (लगभग 2 साइड)
  Guif ∩ तीन तरफ तट
  Geek ∩ तटीय क्षेत्र में घुमाव

जल संधि (Strait) :- एक सकडी जल राशि जो कि दो बडी जल राशियों को आपस में जोडती है या फिर दो बडे भू-भागों को एक-दूसरे से अलग करती है ।

- **Bering Strait** :- Asia व N. अमेरिका को तथा रूस व N. अमेरिका को अलग करती है ।
- **Peninsula (प्रायद्वीप)** :- तीन ओर से पानी से घिरा होना ।
- **Gulf** :- तीन ओर से पानी का तट से घिरा होना

राजव्यवस्था

भारतीय राज्यव्यवस्था की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारत में ब्रिटिश 1600 ई. में ईस्ट इण्डिया कम्पनी के रूप में व्यापार करने के लिए आये थे इन्होंने भारत में व्यापार करने का एकमात्र अधिकार दिया गया था ।

बक्सर के युद्ध (22 अक्टूबर, 1764) के बाद प्रथम बार 1765 में कम्पनी को बंगाल, बिहार व उडीसा की दीवानी प्राप्त हुई ।

दीवानी – दीवानी से तात्पर्य है राजस्व संग्रहण व नागरिक न्याय की शक्ति ।

1773 का रेग्युलेटिंग एक्ट

1. इसके माध्यम से बंगाल के गवर्नर को बंगाल का गवर्नर जनरल बनाया गया । उसकी सहायता के लिए 4 सदस्यीय कार्यकारी परिषद् बनाई गई । प्रथम गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स था ।
2. बॉम्बे एवं मद्रास के गवर्नरों को बंगाल के गवर्नर जनरल के अधीन लाया गया जो कि पहले स्वतंत्र थे ।
3. इसके माध्यम से 1774 में कलकत्ता में एक उच्चतम न्यायालय की स्थापना की गई जिसमें एक मुख्य न्यायाधीश एवं अन्य न्यायाधीश थे ।
4. कम्पनी सर्वोच्च सत्ता (गवर्निंग बोडी) court of directors को राजस्व नागरिक व सैन्य रिपोर्ट नियमित रूप से ब्रिटिश सरकार को देने के लिए कहा गया । उक्त एक्ट का महत्व यह है कि प्रथम बार ब्रिटिश सरकार ने अपनी कम्पनी के राजनैतिक व प्रशासनिक महत्व को समझा तथा उसे नियमित व नियंत्रित करने का प्रयास करते हुए । भारत में केन्द्रीय प्रशासन की नींव रखी ।

1784 का पिट्स इण्डिया एक्ट

1. इसमें कम्पनी के वाणिज्य एवं राजनैतिक कार्यों को पृथक कर दिया गया ।
2. इसमें कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स निदेशक मण्डल को वाणिज्य कार्यो की छूट दी किन्तु राजनैतिक कार्यो के लिए board of central बनाया ।
3. भारत में स्थित सभी ब्रिटिश क्षेत्र तथा परिसम्पत्ति के सैन्य एवं नागरिक कार्यो पर निर्देशन एवं पर्यवेक्षण की शक्ति बोर्ड ऑफ सेन्ट्रल नियंत्रक मण्डल को दी ।
4. प्रथम बार द्वैध शासन लागू किया Board of control व court of directors
5. भारत में कंपनी के अधीन क्षेत्र को पहली बार ब्रिटिश आधिपत्य क्षेत्र कहा ।

1833 चार्टर एक्ट

1. बंगाल के गवर्नर जनरल को भारत का गवर्नर जनरल बनाया गया । सारी नागरिक व सैन्य शक्ति उसमें निहित की गई । भारत के प्रथम गवर्नर जनरल विलियम बैंटिंग थे ।
2. गवर्नर जनरल को विधायिका के असीमित अधिकार दिये । इनके द्वारा कानून नियामकों को कानून कहा गया तथा नये कानूनों के तहत बनाये गये कानूनों को अधिनियम या Act कहा गया ।
3. बम्बई व मद्रास के गवर्नरों से कानून बनाने की शक्ति छीन ली गई सारी शक्ति बंगाल में गठित थी ।
4. ईस्ट इण्डिया कम्पनी का स्वरूप बदला । यह व्यापारिक कम्पनी नही रही बल्कि प्रशासनिक संस्था बनाई गई जो ब्रिटेन के राजमुकुट की ओर से कार्य करेगी ।
5. प्रथम बार खुली प्रतियोगिता को भर्तियों में आधार बनाने का असफल प्रयास किया गया तथा भारतीयों को भी कम्पनी के पदो के उपयुक्त माना गया ।
   इस एक्ट का महत्व यह है कि प्रथम बार भारत की सरकार की संकल्पना की गई तथा यह केन्द्रीकरण की तरफ एक निर्णायक कदम रहा ।

1853 A.D. का चार्टर एक्ट

1. इसमें प्रथम बार गवर्नर जनरल की परिषद् के विधायी और कार्यपालिका कार्यो को अलग किया तथा 6 नये सदस्य जोडे गये जिन्हे विधायी पार्षद कहा गया । अर्थात् गवर्नर जनरल की एक विधान परिषद् बनाई गई जिसे भारतीय विधान परिषद् कहा गया यह एक छोटी ब्रिटिश संसद की तरह थी जिसमें वही प्रक्रियाये अपनाई जाती थी जो ब्रिटेन में अपनाई जाती थी ।
2. भारतीय केन्द्रीय विधान परिषद् में स्थानीय प्रतिनिधित्व प्रारम्भ किया ।
3. सिविल सेवकों की भर्ती हेतु खुली प्रतियोगिता प्रारम्भ दो प्रकार की सेवाये थी
   1. उच्च Candidate से बात
   2- निम्न Unconventade

इस एक्ट में उच्च सिविल सेवा भारतीयों के लिए खोल दी गई तथा एक्ट के प्रावधानों के तहत भारतीय सिविल सेवा के लिए 1854 में मैकाले समिति गठित की गई ।

यद्यपि कम्पनी को आगे कार्य करने की अनुमति दी गई लेकिन निश्चित समयावधि नही दी गई ।

1909 का भारत शासन अधिनियम

इसे मॉर्ले-मिन्टो सुधार कहते है ।

लार्ड मार्ले भारत सचिव था तथा लार्ड मिन्टो भारत का वायसराय था ।

विशेषता

1. इसमें केन्द्रीय और प्रान्तीय विधान परिषदों की संख्या में काफी वृद्धि की गई (60) । राज्यों में संख्या अलग अलग थी ।
2. केन्द्रीय विधानपरिषदों में सरकारी बहुमत रखा गया किन्तु प्रान्तों में गैर सरकारी बहुमत की अनुमति दे दी गई ।
3. विधानपरिषदों की चर्चा सम्बन्धी अधिकारोंमें दोनों स्तरों पर वृद्धि हुई जैसे - पूरक प्रश्न पूछना, बजट पर प्रस्ताव प्रस्तुत करना आदि ।
4. प्रथम बार भारतीयों को वायसराय व गवर्नर की कार्यकारी परिषद् के सदस्य बनने की अनुमति मिली सत्येन्द्र प्रसाद सिन्हा प्रथम भारतीय थे जिन्हें वायसराय की कार्यकारी परिषद् में विधि सदस्य बनाया गया ।
5. मुस्लिमों के लिए साम्प्रदायिक आधार पर प्रतिनिधित्व का सिद्धान्त दिया गया जिसके लिए पृथक निर्वाचक दल Separate Electorate की बात की गई ।

1919 का भारत शासन अधिनियम

20 अगस्त 1917 को ब्रिटिश सरकार ने प्रथम बार घोषित किया कि उसका ध्येय भारत में एक उत्तरदायी शासन की स्थापना करना है जो कि ब्रिटिश साम्राज्य के अखण्डनीय अंग की तरह होगा ।

- इसी आधार पर 1919 में भारत शासन अधिनियम लाया गया जिसे मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार भी कहते है ।
- मॉन्टेग्यू भारत सचिव था तथा चेम्सफार्ड भारत का वायसराय था (मोन्ट फोर्ड एक्ट)।

विशेषता

1. केन्द्रीय व प्रान्तीय विषयों की अलग अलग सूची बनाई गई जिससे केन्द्र का राज्यों पर नियंत्रण कुछ कम हुआ । यद्यपि राज्यो का अपनी सूची पर विधान बनाने का अधिकार था किन्तु सरकार का ढाँचा केन्द्रीय और एकात्मक हो रहा है ।

2. प्रान्तीय विषयों को दो भागों में बाँटा गया - आरक्षित और हस्तान्तरित ।
   - हस्तान्तरित विषयों पर गवर्नर विधायिका के प्रति उत्तरदायी मंत्रियो के माध्यम से शासन करेगा ।
   - आरक्षित विषयों का शासन गवर्नर अपनी कार्यकारी परिषद् के माध्यम से बिना विधायी परिषद् के हस्तक्षेप के करेगा अर्थात् यह एक द्वैध शासन था ।
   - विधायिका में बहुमत गैर सरकारी सदस्यों का था ।

3. इस अधिनियम में पहली बार द्वि-सदनीय व्यवस्था व प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रारम्भ हुआ । इस प्रकार भारतीय विधानपरिषद् के दो सदन थे - लेजिस्लेटिव असेम्बली (लोकसभा) व काउन्सिल ऑफ स्टेट (राज्यसभा) दोनों सदनों के बहुसंख्यक सदस्य सीधे चुनाव के द्वारा चुने जाते थे । महिलाओं को मताधिकार नहीं दिया गया ।
4. शिक्षा कर और सम्पत्ति के आधार पर मताधिकार दिया गया ।

5. वायसराय की कार्यकारी परिषद् के 6 सदस्यो में से कमांडर इन चीफ को छोडकर तीन सदस्यों का भारतीय होना आवश्यक था । इसमें मुस्लिमों के अतिरिक्त सिक्ख भारतीय, ईसाई एंग्लो इण्डियन व यूरोपीय लोगों के लिए भी पृथक निर्वाचन क्षेत्र का प्रावधान किया ।

6. लन्दन में भारतीय उच्चायुक्त का पद सृजन किया तथा भारत सचिव के कुछ गैर कार्यों को उच्चायुक्त को स्थानान्तरित किया ।

7. एक लोकसेवा आयोग का प्रावधान किया गया । उच्च नागरिक सेवाओं के लिए गठित ली आयोग की सिफारिशों के आधार पर 1926 में सिविल सेवकों की भर्ती हेतु एक केन्द्रीय लोक सेवा आयोग का गठन किया गया ।

8. केन्द्रीय बजट को राज्यो के बजट से अलग किया गया तथा राज्य विधानसभाओ को अपना बजट स्वयं बनाने के अधिकार दिये गये ।

9. इसके अन्तर्गत एक वैधानिक आयोग के गठन का प्रस्ताव था जो कि 10 वर्ष के उपरान्त भारत की शासन प्रणाली का अध्ययन करेगा ।

नोट -

भारत शासन अधिनियम 1935

1. इसमें एक अखिल भारतीय संघ की स्थापना की व्यवस्था की गई जिससे प्रान्तों और रियासतों को सम्मिलित किया तीन सूचियाँ बनाई गई ।
   1. केन्द्रीय सूची 59 विषय
   2. प्रांतीय सूची 54 विषय
   3. समवर्ती सूची 36 विषय तथा अवशिष्ट शक्तियाँ वायसराय को दी गई ।

यह संघीय व्यवस्था कभी अस्तित्व में नहीं आई क्योंकि देशी रियायतों ने इनमें शामिल होने से मना कर दिया ।

2. प्रान्तों में द्वैध शासन व्यवस्था समाप्त कर दी गई तथा प्रान्तीय स्वायत्तता प्रारम्भ हुई राज्य सूची के विषयों में स्वंतत्रता दी गई उत्तरदायी सरकार की स्थापना हुई क्योंकि गवर्नर को मंत्रियों की सलाह के अनुसार कार्य करना था जो कि प्रांतीय विधायिका के लिए जबाबदेही थे ।
3. संघीय स्तर पर द्वैध शासन प्रारम्भ हुआ ।
   - संघीय विषयों को आरक्षित एवं हस्तान्तरित में विभक्त किया गया ।
   - भारतीय विषयों के लिए कार्यकारी पार्षदो जिनकी अधिकतम संख्या 3 निर्धारित थी के माध्यम से गवर्नर जनरल को शासन अधिकतम 10 मंत्रियों के द्वारा किया जाना था जो कि विधानपरिषद् के लिए उत्तरदायी थे ।
4. इसमें 11 में से 6 प्रान्तों में द्विसदनात्मक प्रणाली प्रारम्भ की
   1. बंगाल, बॉम्बे, मद्रास, आसाम, बिहार, संयुक्त प्रान्त उच्च सदन को विधानपरिषद् (लेजिस्लेटिव काउंसिल) कहा व निम्न सदन को विधानसभा (लेजिस्लेटिव असेम्बली) कहा ।
5. साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व को बढाया गया । दलित महिलाओं एवं मजदूरों को पृथक निर्वाचन क्षेत्र दिये गये ।
6. 1858 के भारत शासन अधिनियम द्वारा स्थापित भारत सचिव की भारत परिषद् को समाप्त कर दिया गया तथा उसके स्थान पर सलाहकारो का एक दल उपलब्ध करवाया गया ।
7. मताधिकार का विस्तार किया गया लगभग 10 प्रतिशत जनसंख्या को मताधिकार दिया गया ।
8. संघीय लोक सेवा आयोग का प्रावधान किया गया साथ ही संयुक्त लोक सेवा आयोग तथा प्रान्तीय लोक सेवा आयोग का भी प्रावधान किया गया ।
9. भारत की मुद्रा व साख नियंत्रण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की स्थापना की गयी ।
10. संघीय न्यायालय की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया जो 1937 में गठित हुआ । इसकी स्थापना अन्तर्राष्ट्रीय विवादों तथा संविधान (1935 अधिनियम) की व्याख्या हेतु की गई जिसकी अपील लंदन में प्रिवी काउंसिल में की जा सकती है । महिलाओं को मताधिकार दिया गया ।

भारत शासन अधिनियत 1947

3 जुलाई 1947 को भारत के वायसराय माउन्ट बेटन ने विभाजन का प्रस्ताव रखा जिसे माउन्ट बेटन योजना कहते है ।

कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों के द्वारा यह स्वीकार कर लिया गया ।

भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 बनाकर इसे लागू किया गया इसकी निम्न विशेषताएँ थी –

1. भारत में ब्रिटिश राज समाप्त हुआ तथा भारत को 15 अगस्त 1947 से स्वंतत्र एवं सम्प्रभू राष्ट्र घोषित किया गया ।
2. इसमें भारत का विभाजन कर भारत और पाकिस्तान दो स्वतंत्र डोमिनियन बनाये जिन्हें ब्रिटिश राष्ट्रमण्डल से अलग होने की स्वतंत्रता थी ।
3. इसने वायसराय का पद समाप्त कर दिया और इसके स्थान पर दोनों डोमिनियन के लिए अलग अलग गवर्नर जनरल का प्रावधान किया जिसकी नियुक्ति डोमिनियन केबिनेट की सिफारिश पर राजमुकुट को करनी थी । ब्रिटेन की सरकार पर भारत या पाकिस्तान की सरकार का कोई उत्तरदायित्व नहीं था ।
4. इसके माध्यम से दोनों देशों की संविधान निर्मात्री सभा को अपनी इच्छानुसार संविधान बनाने एवं लागू करने का अधिकार मिला साथ ही ब्रिटिश संसद द्वारा पारित किसी भी कानून को रद्द करने का अधिकार मिला ।
5. इसने दोनों देशों की संविधान सभा को प्राधिकृत किया कि जब तक नया संविधान लागू नही हो जाता तब तक अपने अपने क्षेत्र के लिए ये कानून बनाने का कार्य कर सकेगी । 15 अगस्त 1947 के बाद ब्रिटिश संसद द्वारा घोषित पारित कोई भी कानून दोनों देशों पर तब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक कि संविधान सभा इसकी सहमति न दें ।
6. ब्रिटेन में भारत सचिव का पद समाप्त कर दिया गया तथा इसकी सभी शक्तियाँ राष्ट्रमण्डल सचिव को स्थानान्तरित हो गई ।
7. 15 अगस्त 1947 से भारतीय रियासतों पर ब्रिटिश सम्प्रभुत्व समाप्त हो गया तथा रियासतों को भारत अथवा पाकिस्तान में मिलने अथवा स्वतंत्र रहने की आजादी दी गई ।
8. ब्रिटिशकाल का वीटो का अधिकार तथा स्वयं की अनुमति के लिए ब्रिटिश राजा का विधेयक को रोकने का अधिकार समाप्त हो गया किन्तु कुछ परिस्थितियों में गवर्नर जनरल को यह अधिकार दिया ।
9. भारत के गवर्नर जनरल व राज्यों के गवर्नर को संवैधानिक प्रमुख के रूप में स्थापित किया जिनकी शक्तियाँ यथार्थ न होकर नाममात्र की थी । इन्हें मंत्रिपरिषद् की सलाह के अनुसार कार्य करना था ।
10. 14–15 अगस्त की मध्यरात्रि को ब्रिटिश शासन का अन्त हुआ तथा सत्ता दोनो डोमिनियन देशों को मिली ।

- भारत के प्रथम गवर्नर जनरल माउन्ट बेटन तथा प्रथम स्वतंत्र प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को शपथ दिलाई ।
- भारत की संविधान सभा भारत की संसद की तरह कार्य करने लगी ।
- पाक का गवर्नर जनरल मोहम्मद अली जिन्ना था ।
- सर्वोच्च शक्ति का निर्वाचित होना – गणतंत्र
- वंशानुगत होना – राजतंत्र
- नीचे की शक्ति का जनता द्वारा चुना जाना – लोकतंत्र

संविधान सभा

- सर्वप्रथम 1895 ई. में बाल गंगाधर तिलक ने संविधान की माँग की ।
- 1921 गाँधीजी ने संविधान सभा की माँग की ।
- 1934 मानवेन्द्र नाथ रॉय ने संविधान सभा की माँग की । (M.N. रॉय)
- 1935 कांग्रेस ने पहली बार अधिकारिक तौर पर संविधान सभा की माँग की ।
- 1938 कांग्रेस के प्रतिनिधि के तौर पर जवाहर लाल नेहरू ने सार्वजनिक वयस्क मतदान के आधार पर निर्वाचित संविधान सभा की माँग की ।
- 1940 के अगस्त प्रस्ताव में ब्रिटिश सरकार ने पहली बार संविधान सभा का प्रस्ताव रखा यद्यपि संविधान सभा शब्द का उल्लेख नहीं किया गया ।
- 1942 के क्रिप्स मिशन में निर्वाचित संविधान सभा का प्रस्ताव जो प्रांतीय विधान मण्डल के निम्न सदन के सदस्यों के द्वारा ।
- 1946 कैबिनेट मिशन की सिफारिशों के आधार पर संविधान सभा का निर्वाचन किया गया । इसकी निर्वाचन प्रान्तीय विधानमण्डल के निम्न सदन के सदस्यों के द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति व एकल संक्रमणीय मत के द्वारा ।

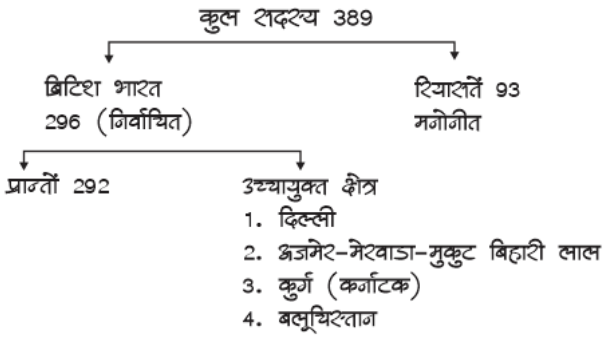

- जुलाई–अगस्त 1946 को संविधान सभा का निर्वाचन हुआ था ।
- कांग्रेस के 208 सदस्य निर्वाचित हुए थे ।
- मुस्लिम के लिए 76 सीट आरक्षित की गयी थी । उसमें से 73 सीट पर मुस्लिम लीग के सदस्य निर्वाचित हुए थे ।
- संविधान सभा के चुनावों के ठीक बाद मुस्लिम लीग ने संविधान सभा का बहिष्कार कर दिया ।
- महात्मा गाँधी एवं मोहम्मद अली जिन्ना ने चुनाव नहीं लडा था ।
- कुल 15 महिला सदस्य निर्वाचित हुई थी ।
- जय प्रकाश नारायण व तेज बहादुर सप्रु ने संविधान सभा से त्यागपत्र दे दिया था ।
- 9 दिसम्बर 1946 संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी वरिष्ठतम सदस्य सच्चिदानन्द सिन्हा को अस्थायी अध्यक्ष बनाया गया ।
- 11 दिसम्बर 1946 को संविधान सभा की दूसरी बैठक हुई थी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को स्थायी अध्यक्ष नियुक्त किया गया ।
- H.C. मुखर्जी को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया ।
- T.T. कृष्णामाचारी को भी उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया ।
- B.N. राव को संवैधानिक सलाहाकार नियुक्त किया गया ।
- संविधान का पहला प्रारूप B.N. राव ने तैयार किया था जबकि अन्तिम प्रारूप, प्रारूप समिति ने तैयार किया था ।
- 13 दिसम्बर 1946 पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया था ।
- 22 जनवरी 1947 को संविधान सभा ने उद्देश्य प्रस्ताव पारित किया ।

उद्देश्य प्रस्ताव की मुख्य विशेषताएँ

1. सम्प्रभू व एकीकृत राष्ट्र की स्थापना करना ।
2. लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना ।
3. नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक न्याय प्रदान करना ।
4. नागरिकों को मूल अधिकार प्रदान करना ।
5. विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करना ।
6. धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की स्थापना करना ।

- उद्देश्य प्रस्ताव संविधान सभा के लिए दिशा निर्देशिका था जिसमें संविधान के आदर्शों को इसमें शामिल किया गया ।

महत्वपूर्ण समितियाँ

1. संघीय संविधान समिति
2. संघीय शक्ति समिति – अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू
3. प्रान्तीय शक्ति समिति
4. प्रान्तीय संविधान समिति – अध्यक्ष सरदार वल्लभ भाई पटेल

5. मूल अधिकार, अल्पसंख्यक, अनुसूचित व जनजातीय क्षेत्र तथा बाह्य क्षेत्र के लिए समिति – सरदार वल्लभ भाई पटेल

उप समिति

1. मूल अधिकार उप समिति – जे.बी. कृपलानी
2. अल्पसंख्यक के लिए उप समिति – H.C. मुखर्जी
3. अनुसूचित व जनजातीय क्षेत्र उप समिति– गोपीनाथ बारदोलोई
4. बाह्य व आंशिक बाह्य क्षेत्र के लिए उप समिति – A.V. टक्कर

प्रारूप समिति

1. डॉ. भीमराव अम्बेडकर (अध्यक्ष)
2. गोपाल स्वामी आयंगर
3. कृष्णा स्वामी अय्यर
4. K.M. मुंशी
5. मोहम्मद सादुल्लाह
6. N माधव राव (B.L. मित्र त्यागपत्र)
7. T.T. कृष्णामाचारी (D.P. खेतान की मृत्यु)

- इसके बाद प्रारूप समिति ने 60 देशों के संविधान का अध्ययन किया और उससे भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार किया ।
- प्रथम पठन 4 नवम्बर 1948 से 9 नवम्बर 1948 तक किया ।
- द्वितीय पठन 15 नवम्बर 1948 से 17 अक्टूबर 1949 तक किया ।
- तृतीय पठन 14 नवम्बर से 26 नवम्बर 1949 तक किया ।
- 26 नवम्बर 1949 को संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया इस पर 284 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए ।

15 अगस्त 1947 के बाद संविधान सभा की भूमिका

1. सम्प्रभु संस्था के रूप में स्थापित हुई । कैबिनेट मिशन की अनुशंसा के आधार पर कार्य करने की बाध्यता समाप्त हो गयी ।
2. 15 अगस्त 1947 से संविधान सभा ने दोहरी भूमिका का निर्वहन किया संविधान सभा के साथ-साथ विधानमण्डल के रूप में कार्य किया ।
3. आजादी के बाद संविधान सभा में 299 सदस्य रह गये थे ।

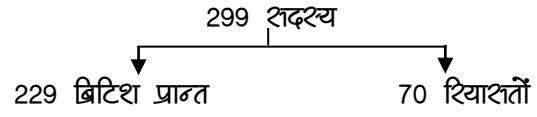

4. 299 में से 284 सदस्यों ने हस्ताक्षर किये थे ।
5. संविधान निर्माण की प्रक्रिया में 2 वर्ष 11 माह 18 दिन लगे थे । संविधान के प्रारूप पर 114 दिन बहस हुई ।
6. संविधान निर्माण में 63,96,729 रुपये खर्च हुए ।
7. 26 जनवरी 1949 के संविधान में 22 भाग 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियाँ थी ।
8. वर्तमान संविधान में 25 भाग 460 अनुच्छेद 12 अनुसूचियाँ है ।
9. 15 अनुच्छेद 26 नवम्बर 1949 को लागू किये गये ।
   अनु. 5, 6, 7, 8, 9 (नागरिकता से संबंधित)
   अनु. 60 (राष्ट्रपति की शपथ)
   अनु. 324 (निर्वाचन आयोग)
   अनु. 366, 367 (निर्वाचन संबंधित शब्दावली)
   अनु. 379, 380, 388, 391, 392, 393 बाकी सभी अनुच्छेद 26 जनवरी 1950 को लागू किये गये ।

संविधान सभा के द्वारा लिये गए महत्वपूर्ण निर्णय

- 22 जुलाई 1947– राष्ट्रध्वज को मान्यता दी ।
- मई 1949 में ''राष्ट्रमण्डल की सदस्यता'' को मान्यता दी गयी ।
- 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रगान व 26 जनवरी 1950 को राष्ट्रगीत को मान्यता दी गयी ।
- 24 जनवरी 1950 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का निर्वाचन किया गया ।
- 24 जनवरी 1950 इसके दिन संविधान सभा की अन्तिम बैठक था और इसके बाद इन्होनें इसको भंग कर दिया गया । इसके बाद संविधान सभा विधानमण्डल के रूप में यह कार्य करती रही (1950 तक)

संविधान की विशेषताएँ

प्रस्तावना

हम भारत के लोग – अर्थात् सम्प्रभुता भारत की जनता में निहित है ।

भारत को – सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्र, गणराज्य बनाना ।
न्याय – सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक
स्वतंत्रता – विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म, उपासना
समता – प्रतिष्ठा अवसर
बंधुता – व्यक्ति की गरिमा, राष्ट्र की एकता व अखण्डता

26 नवम्बर 1949 ई. मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी संवत् 2006 विक्रमी अंगीकृत, अधिनियमित, आत्मर्पित करते है ।